

ध्यातव्य

'आजकल आधुनिक हिंदी में 'ज' का उच्चारण 'ज्यै' या 'ज्यै' होता है। जो पूर्णतया शुद्ध नहीं हैं।

वस्तुतः 'ज' का उच्चारण सावधानी से सिखाया जाना चाहिए।

हिंदी वर्णमाला में परंपरा से प्रयुक्त विशेष चिह्न

अनुस्वार:- (जैसे कंस/हंस आदि)

अनुनासिक चिह्न/चंद्रबिंदु = ँ (जैसे माँग, बाँध)

विसर्ग : (जैसे अतः, प्रातः)

हल् चिह्न (जैसे सत्, चित)

आगत ध्वनियों के वर्ण

स्वर ॉ (जैसे डॉक्टर, कॉलेज आदि)

नुक्तायुक्त व्यंजन: ख (जैसे- खातिर)

ज़ (जैसे- सेज़, दहेज़)

फ़ (जैसे- फ़तह, फ़ैज)

संयुक्त व्यंजन

हिंदी में संयुक्त व्यंजनों को वर्णानुसार चार प्रकार से लिखा जाता है।

i खड़ी पाई वाले वर्ण - जो पाई हटा कर बनते हैं।

| | | | | | | | | |
|------|---|----------|------|---|--------|--------|---|---------|
| ख्+त | = | सख्त | ग्+न | = | मग्न | घ्+न | = | विघ्न |
| च्+च | = | उच्च | ज्+व | = | ज्वर | ण्+य | = | पुण्य |
| त्+त | = | उत्तीर्ण | थ्+य | = | तथ्य | ध्+व | = | ध्वनि |
| न्+य | = | धन्य | प्+य | = | प्यास | ब्+ज | = | सब्जी |
| भ्+य | = | सभ्य | म्+य | = | नम्य | य्+य | = | भैर्या |
| ल्+क | = | मुल्क | व्+य | = | व्यर्थ | श्+व | = | श्वेत |
| ष्+ट | = | रुष्ट | स्+म | = | भस्म | क्ष्+य | = | साक्ष्य |